

MPS 001

IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWERS

FOR DECEMBER 2024 & JUNE 2025 EXAMINATION

In Hindi & English both

PART-4

John Austin's Concept of Sovereignty

जॉन ऑस्टिन की संप्रभुता की अवधारणा

John Austin was a legal philosopher who developed the idea of **sovereignty** in his theory of law, often referred to as **legal positivism**. According to Austin, sovereignty is the highest authority in a political community, and it has the power to create, enforce, and change laws. He focused on understanding how laws work in a society and who has the ultimate power to make them.

जॉन ऑस्टिन एक विधिक दार्शनिक थे जिन्होंने अपने कानून के सिद्धांत में **संप्रभुता** की अवधारणा विकसित की, जिसे अक्सर **कानूनी प्रत्यक्षवाद** कहा जाता है। ऑस्टिन के अनुसार, संप्रभुता एक राजनीतिक समुदाय में सर्वोच्च अधिकार है, जिसके पास कानून बनाने, लागू करने और बदलने की शक्ति होती है। उन्होंने यह समझने पर ध्यान केंद्रित किया कि समाज में कानून कैसे काम करते हैं और इन्हें बनाने की अंतिम शक्ति किसके पास होती है।

1. Sovereign as the Supreme Authority:

- For Austin, the **sovereign** is the ultimate source of power in a state. The sovereign can be an individual (like a king or dictator) or a group (like a

parliament or government). Whatever laws or commands the sovereign issues must be followed by everyone in the society.

सर्वोच्च प्राधिकारी के रूप में संप्रभु:

- ऑस्टिन के लिए, **संप्रभु** राज्य में शक्ति का अंतिम स्रोत है। संप्रभु एक व्यक्ति (जैसे राजा या तानाशाह) या एक समूह (जैसे संसद या सरकार) हो सकता है। संप्रभु द्वारा दिए गए सभी कानूनों या आदेशों का पालन समाज के सभी लोगों को करना पड़ता है।

2. Absolute Authority:

- Austin believed that the sovereign's power is **absolute**. This means the sovereign is not bound by any higher authority or legal restrictions. The sovereign is above all other institutions and individuals in the society and can make decisions without needing approval from anyone else.

पूर्ण अधिकार:

- ऑस्टिन का मानना था कि संप्रभु की शक्ति **पूर्ण** होती है। इसका मतलब है कि संप्रभु किसी उच्च प्राधिकारी या कानूनी प्रतिबंधों से बाध्य नहीं होता। संप्रभु समाज में अन्य सभी संस्थानों और व्यक्तियों से ऊपर होता है और किसी अन्य की मंजूरी के बिना निर्णय ले सकता है।

3. Laws as Commands:

- According to Austin, laws are essentially the **commands of the sovereign**. These commands are backed by the threat of punishment if they are not followed. In this way, laws are not based on moral principles but on the authority of the sovereign who enforces them.

कानून आदेश के रूप में:

- ऑस्टिन के अनुसार, कानून मूल रूप से **संप्रभु के आदेश** होते हैं। यदि इन आदेशों का पालन नहीं किया जाता, तो दंड का भय होता है। इस प्रकार, कानून नैतिक सिद्धांतों पर आधारित नहीं होते, बल्कि संप्रभु के अधिकार पर आधारित होते हैं जो उन्हें लागू करता है।
-

4. No Legal Limitations on Sovereignty:

- In Austin's view, there are no **legal limits** on the sovereign. The sovereign can make or change any law at any time, and there is no higher authority to challenge or overrule it. However, Austin did recognize that the sovereign might face practical limitations, such as public opinion or resistance from the people, but legally, the sovereign's authority is unlimited.

संप्रभुता पर कोई कानूनी सीमा नहीं:

- ऑस्टिन के दृष्टिकोण में, संप्रभु पर कोई **कानूनी सीमाएँ** नहीं होतीं। संप्रभु किसी भी समय कोई भी कानून बना या बदल सकता है, और उसे चुनौती देने या निरस्त करने के लिए कोई उच्च प्राधिकारी नहीं होता। हालांकि, ऑस्टिन ने यह स्वीकार किया कि संप्रभु को व्यावहारिक सीमाओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि जनमत या जनता का विरोध, लेकिन कानूनी रूप से संप्रभु की शक्ति असीमित होती है।
-

5. Distinction from Democracy:

- Austin's idea of sovereignty is different from modern democratic ideas. In a democracy, power is distributed, and there are checks and balances on authority. But in Austin's theory, the sovereign has unchecked and indivisible power, which contrasts with the democratic principle of shared power.

लोकतंत्र से अंतर:

- ऑस्टिन की संप्रभुता की अवधारणा आधुनिक लोकतांत्रिक विचारों से भिन्न है। लोकतंत्र में, शक्ति का वितरण होता है और अधिकारों पर नियंत्रण और संतुलन होते हैं। लेकिन ऑस्टिन के सिद्धांत में, संप्रभु की शक्ति बिना रोक-टोक और अविभाज्य होती है, जो शक्ति के साझा लोकतांत्रिक सिद्धांत से विपरीत है।

Civil Society: An Overview

नागरिक समाज: एक परिचय

- Civil society refers to the collective organizations and institutions that exist independently from the government and market. These include non-governmental organizations (NGOs), community groups, trade unions, faith-based organizations, and other associations that aim to represent the interests of the public or certain groups within society. Civil society plays a crucial role in holding governments accountable, advocating for social justice, promoting human rights, and fostering civic engagement among citizens.
- नागरिक समाज उन संगठनों और संस्थाओं को संदर्भित करता है जो सरकार और बाजार से स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में होते हैं। इनमें गैर-सरकारी संगठन (NGO), सामुदायिक समूह, ट्रेड यूनियन, धार्मिक संगठनों और अन्य संघ शामिल होते हैं, जो समाज के भीतर जनता या कुछ समूहों के हितों का प्रतिनिधित्व करने का लक्ष्य रखते हैं। नागरिक समाज सरकारों को जवाबदेह ठहराने, सामाजिक न्याय की वकालत करने, मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और नागरिकों में नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- **Functions of Civil Society**

Civil society organizations often focus on addressing issues such as poverty, inequality, education, environment, and healthcare. They act as a bridge between citizens and the state, providing platforms for citizens to

voice their concerns, access support, and participate in democratic processes. Civil society also helps in strengthening social cohesion by bringing together people from diverse backgrounds to work towards common goals.

- **नागरिक समाज के कार्य**

नागरिक समाज संगठन अक्सर गरीबी, असमानता, शिक्षा, पर्यावरण और स्वास्थ्य सेवा जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे नागरिकों और राज्य के बीच एक पुल के रूप में कार्य करते हैं, नागरिकों को अपनी चिंताओं को व्यक्त करने, सहायता प्राप्त करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करते हैं। नागरिक समाज सामाजिक एकता को मजबूत करने में भी मदद करता है, क्योंकि यह विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को सामान्य लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक साथ लाता है।

- **Importance of Civil Society**

Civil society is essential in promoting transparency, accountability, and good governance. It allows citizens to monitor the actions of government officials and hold them accountable for their policies and decisions. Additionally, civil society fosters a culture of activism and social responsibility, encouraging people to engage in issues that affect their communities. By creating spaces for public dialogue and participation, civil society strengthens democracy and empowers individuals to contribute to social change.

- **नागरिक समाज का महत्व**

नागरिक समाज पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण है। यह नागरिकों को सरकारी अधिकारियों की क्रियाओं की निगरानी करने और उनकी नीतियों और निर्णयों के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराने का अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, नागरिक समाज सक्रियता और सामाजिक उत्तरदायित्व की संस्कृति को बढ़ावा देता है, जिससे लोग अपने समुदायों को प्रभावित करने वाले मुद्दों में संलग्न होते हैं। सार्वजनिक संवाद और भागीदारी के लिए स्थान बनाकर, नागरिक समाज लोकतंत्र को मजबूत करता है और व्यक्तियों को सामाजिक बदलाव में योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है।

Challenges Faced by Civil Society

Despite its importance, civil society faces several challenges. In many countries, governments may impose restrictions on civil society organizations, limiting their freedom to operate or access funding. Additionally, civil society may struggle with a lack of resources, internal governance issues, or difficulty in mobilizing public support for their causes. Despite these obstacles, civil society continues to adapt and find ways to effectively advocate for change.

नागरिक समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ

अपने महत्व के बावजूद, नागरिक समाज कई चुनौतियों का सामना करता है। कई देशों में, सरकारें नागरिक समाज संगठनों पर प्रतिबंध लगा सकती हैं, जिससे उनके संचालन या वित्त पोषण प्राप्त करने की स्वतंत्रता सीमित हो जाती है। इसके अलावा, नागरिक समाज संसाधनों की कमी, आंतरिक शासन की समस्याओं या अपने उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक समर्थन जुटाने में कठिनाई का सामना कर सकता है। इन बाधाओं के बावजूद, नागरिक समाज परिवर्तन की प्रभावी वकालत करने के नए तरीकों को अपनाकर अपना काम जारी रखता है।

WATCH OTHER PARTS FOR MORE CONTENT AND QUESTIONS.

LINK IS GIVEN IN THE DESCRIPTION BOX

ScholarKey